

पीनं न दंशमशकापकम् PĀṆKĀT. III, 98. जालैराच्छादितो कृदः 247, 9. (सायकमपैर्जालैः) भानैराच्छादयत्प्रभाम् MBh. 4, 1853. शरशतैर्देवीमाच्छादयत् सः Dev. 10, 10. आच्छादिते रवौ मेघैराच्छादितः स्युर्गभस्तपः PĀṆKĀT. II, 164. 190, 6. Bhāg. P. 4, 10, 23. — 2) *bekleiden*: अकृतेन Kauç. 79. वसनेन Gobh. 2, 8, 10. 9, 5. R. Gora. 2, 100, 50. कौशिकैर्वस्त्रैः शुभैराच्छादितम् (त्वाम्) *bekleidet* mit MBh. 3, 1002. अनेन वाससाच्छादः 2632. *bekleiden*, mit *Kleidern* beschenken: आच्छादयित्वा हतान् 4, 2183. 14, 1853. M. 3, 27. R. 6, 1, 29. — 3) *sich* (ein Gewand) *umnehmen*, *sich bekleiden*; act. nnd med.: वस्त्रम् Çāṅkh. Gṛh. 4, 12, 15. Kauç. 41. Pār. Gṛh. 2, 6, 7. प्रावारान् MBh. 2, 1733. 12, 4558. परिच्छेदम् 2, 789. शाटीम् R. 2, 32, 34. med. ohne obj. MBh. 2, 1736. — 4) *verbergen*, *verstecken*: आत्मानमाच्छादयति Hit. 22, 1. — Vgl. आच्छाद, आच्छाद lgg.

— समा *bedecken*, *verhüllen*: कृतैर्निवातकवचैः — समाच्छादयति देशः सः MBh. 3, 12179. Uneig.: बुद्धिं समाच्छादयति मे समन्युद्बुधते प्राणपतिः शरिरे 15670.

— उद् *entkleiden*: उच्छादयति स्त्रायति स्म — अप्येकमेकं पुरुषं प्रमदाः सप्त चाष्ट च R. 2, 91, 51; vgl. Gora. 2, 100, 50, v. l. Unter उच्छादन haben wir viell. mit Unrecht उच्छादयति an dieser Stelle für eine Prakrit-Form von उत्साद्य erklärt; dagegen ist उच्छादयति Suçr. 2, 393, 10 ohne allen Zweifel = उत्सन्न.

— अपोद् *aufdecken*: दन्तिणामूरुमुपोच्छादयति Āc. 3, 5. उरोर्वसनम् 6.

— समुद् *ablegen* (ein Kleid) Prab. 50, 12, v. l.

— उप 1) *bedecken*: उपच्छादयति वसुमती तथा पुष्पैः MBh. 1, 5005. — 2) *verstecken*, *verbergen*, *geheim halten*: उपच्छादयति चान्यानि सीमालिङ्गानि कारयेत् M. 8, 249. उपच्छादयति हस्त्वामांस्ते भुञ्जति MBh. 1, 5006.

— समुप *s. समुपच्छाद*.

— परि 1) *umhüllen*, *bedecken*, *überdecken*: (कूर्मम्) तं दैर्ः परिच्छादयति धनुषि समालम्ब्य PĀṆKĀT. 144, 23. रथान्केमपरिच्छादयति MBh. 4, 1029. केमजालपरिच्छादयति (भवन्) R. 5, 13, 7. Uneig.: शोकपरिच्छादयति 74, 1. कृषार्थम् 4, 16, 24. — 2) *verbergen*, *unkennlich machen*: मुनिवेशपरिच्छादयति गच्छतु पोषितः *verkleidet* in R. 1, 9, 9. भिन्नरूपं 4, 2, 20. द्वीपिचर्मं Hit. III, 9. — Vgl. परिच्छेद.

— प्र 1) *bedecken*, *zudecken*, *umhüllen*, *verhüllen*: योनिमुत्सवेन Çat. Br. 7, 1, 4, 8. 8, 3, 2, 5. एतत्त्रयं येनायमात्मा प्रच्छादयति लोम त्वञ्जामिति 10, 3, 4, 12. शिरोमुखम् Āc. Gṛh. 4, 3. Kāty. Çr. 21, 4, 16. 25, 8, 14. Kauç. 33. वसनेन 80. केशैः प्रच्छादयति मुखम् MBh. 2, 2626. 3, 582. R. 2, 72, 22. 5, 21, 2, 20. प्रच्छादयति Suçr. 1, 27, 4. (पूतना) प्रच्छादयति मर्कतीं भूमिम् R. 6, 16, 19. Draup. 8, 30. द्वारकां सर्वां प्रच्छादयति (तर्हः) Hariv. 7682. रेणुर्दिवं प्रच्छादयति तिष्ठति R. 2, 93, 14. यथा रश्मिभिरादित्यः प्राच्छादयति मेदिनीम् । तथा गाण्डीवनिर्मुक्तैः शैरः पार्थो दिशो दश ॥ MBh. 4, 1699. वनं सर्वम् — बह्विभिः शैरैः । प्राच्छादयति येनायमात्मा नीक्षारेणैव चन्द्रमाः 1, 8234. तमसा चैव घोरिण — प्रच्छादयति जनस्थानम् R. 3, 29, 8. (मूर्खैः) प्रच्छादयति गुणाः सर्वे मेघैरिव दिवाकरः Kāty. 87. स हि प्रच्छादयति देशः शैला मेघैरिवास्तिः MBh. 1, 5599. प्रच्छादयति जलम् *im Gefäß eingeschlossen* R. 3, 16, 28. आदित्यमिव सर्वेषां राशो प्रच्छादयति वै प्रभाः *verdunkeln* MBh. 1, 4416. अग्निदुतमिवारण्ये सिंहेन गजयूथम् ॥ प्रच्छादयति रमिण भरतं त्रातुमर्कसि *Jmd verdunkeln, im Wege stehen* (West.: *insidiari*, Schlegel: *proculcare*, R. Gora. 2, 7, 30: *उच्छिद्यमानम्*) R. 2, 8, 36. — 2) *sich* (mit einem Ge-

wande) *bekleiden*: नातपति प्रच्छादयेत् Çat. Br. 14, 1, 4, 33. जालेन प्रच्छादयति रयिणेन वाससा वा Pār. Gṛh. 1, 16, 2, 6. — 3) *verbergen*, *verstecken*, *geheim halten*: मया प्रच्छादयति चेपम् MBh. in Benf. Chr. 31, 5. Kathās. 10, 62. व्रतेन पापं प्रच्छादयति M. 4, 198. प्रच्छादयति भावम् R. 5, 90, 11. प्रच्छादयति स्वान्गुणान् Bhartr. 2, 70. प्रच्छादयति *verborgen*, *versteckt*, *in fremder Gestalt umhergehend*, *geheim* MBh. in Benf. Chr. 30, 15. Kathās. 10, 66. स च प्रच्छादयति भूवा स्थितः Hit. 9, 14. 42, 4. Vid. 83. Vet. 30, 13. 33, 3. प्रच्छादयति (der sich unkenntlich gemacht hat) को ऽपि देवो ऽयम् Vid. 43. ऽत्रपर. 3, 66, 19. प्रच्छादयति हि मकात्मानश्चरति पृथिवीमिमाम् MBh. 3, 2802. प्रच्छादयति वा प्रकाशं वा सर्वमग्निरदीक्षति R. 6, 103, 11. प्रदानं प्रच्छादयति Bhartr. 2, 54. प्रच्छादयति वा प्रकाशं वा (जातयः) M. 10, 40. कालानुवृत्तिं (स्वविक्रम) Rāga-Tar. 3, 328. मातृपितृतः ऽवृत्त्या Çāṅk. 40, 19. ऽपाप M. 5, 107. Jāgñ. 3, 33. Kāurap. 4. ऽतस्कार M. 9, 226. ऽवृत्तक 257. प्रच्छादयति *adv.* (Gegens. प्रकाशम्) M. 9, 228. MBh. 1, 5887. Mārkā. 146, 13. प्रच्छादयति धनम् Bhartr. 2, 17. प्रच्छादयति चारु R. 3, 66, 18. ऽचारिन् 31, 26. गृहे प्रच्छादयति (wohl loc.) उत्पन्नः *im Hause heimlich geboren* Jāgñ. 2, 129. — Vgl. प्रच्छेद u. s. w.

— प्रति 1) *überdecken*, *umkleiden*, *bekleiden*, *umgeben*, *verhüllen*: वृत्तम् Kauç. 79. प्रतिच्छादयति वल्मीकतृणकीचकैः Bhāg. P. 7, 3, 15. वासोभिश्च प्रतिच्छादयति (रत्नपर्यतः) Hariv. 7809. मृत्तैलप्रतिच्छादयति (पुष्कस) MBh. 13, 2586. अनेन व्याघ्रचर्मणा प्रतिच्छादयति रासम् PĀṆKĀT. 224, 4, 10. IV, 32. आर्द्रलक्तकप्रतिच्छादयति दृष्टिः Suçr. 1, 36, 5. स्त्रायुभिः 326, 17. कङ्कपत्रप्रतिच्छादयति (शराः) R. 4, 7, 22. मुक्ताजालप्रतिच्छादयति (विमान) 5, 13, 4. मुक्ताजालप्रतीक्षन् (अश्वान्) MBh. 8, 4125. केमदण्डप्रतिच्छादयति रथम् 4, 1276. प्रतिच्छादयति भासते शिखराणि धनैर्धनैः Hariv. 3384. धूमेन — प्रतिच्छादयति गर्गे Bhāg. P. 8, 13, 19. सायकैश्च प्रतिच्छादयति चक्रतुः खम् MBh. 7, 6129. R. 6, 69, 34. अन्धकारप्रतिच्छादयति घटे दीप इवास्तिः PĀṆKĀT. I, 440. धर्मलेशप्रतिच्छादयति *versehen* mit MBh. 3, 1268. — 2) *verbergen*, *verstecken*, *unkennlich machen*: प्रतिच्छादयति *versteckt*, *verborgen*, *unerkannt* MBh. 1, 5630. R. 3, 34, 27. 6, 1, 20. Bhāg. P. 7, 3, 7. शशत्रूप्रतिच्छादयति पुष्कराः MBh. 3, 5056. द्विजत्रपं Bhāg. P. 8, 21, 10. देवालिङ्गं 9, 24. सुप्रतिच्छादयति *auf sehr geheime Weise* MBh. 1, 4894.

— वि *entkleiden*: घ्नति त्वेनै (आत्मानं) विच्छादयति वा Kāṇḍ. Up. 8, 10, 2. Çāṅk.: = विद्रावयति. Ders. Sch. erklärt विच्छादयति (विच्छादयति) Brh. Ār. Up. 4, 3, 20 durch विच्छादयति, विद्रावयति.

— सम् 1) *zudecken*, *überdecken*, *umhüllen* Suçr. 1, 60, 16. अस्थि तन्मसिः संकादयति Çat. Br. 8, 7, 4, 19, 21. क एष वेशसंकेतो भस्मन्येव कृतशानः MBh. 4, 1263. Hariv. 11733. सेना — मर्कौ संकादयामास प्रावृषिद्यामिवान्वुदः R. 2, 93, 3. 4, 39, 10. 43, 1. Rāga-Tar. 1, 107. Arā. 9, 7. नयः शैवालसंकेताः Suçr. 1, 172, 12. 2, 312, 6. कदलीवनसंकेत (आश्रम) R. 4, 13, 16. अर्जुनारिष्टसंकेत (वन) MBh. 3, 2403. 2405. संकादयमाने खे वाणीः 1, 8235. शैरः — पार्थ संकादयति 5476. 3, 589. R. 6, 79, 30. वाष्पसंकेतसलिला (सरित्) R. 3, 22, 23. संकेतो धूमजालेन शिखामिव विभावसोः 5, 18, 10. — Varāh. Brh. S. 3, 12, 48. 47, 50. 76, 3. — 2) *umlegen* (ein Gewand): वस्त्रं संकादयति Vor. 21, 17. — 3) *verbergen*, *verstecken*: कुले स्नातसि संकेते यस्य स्याद्योनिसंकेतः *verborgen*, *dem Auge entzogen*; *unbekannt* MBh. 13, 2606.

2. कृद, कृदयति und कृदयते (= अर्चति कर्मान् Naigh. 3, 14), अकृदयन्,